राजेंद्र प्रसाद जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने देश के प्रथम [राष्ट्रपति](#) [भारत रत्न](#) **डॉ. राजेंद्र प्रसाद को** उनकी **जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।**

//

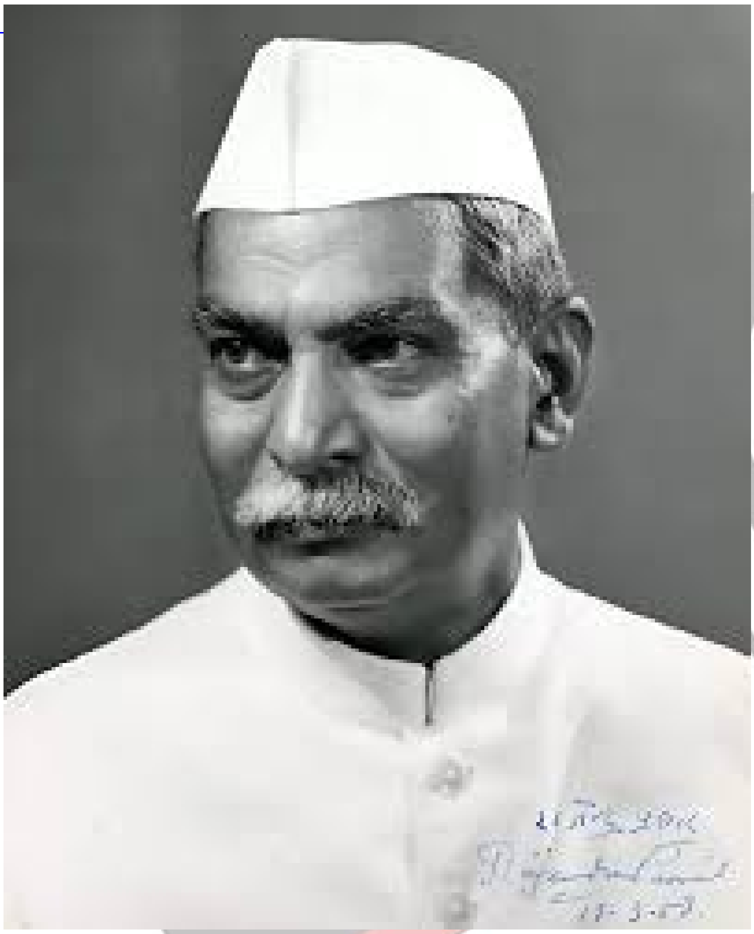

मुख्य बिंदु

- **डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के सिवान ज़िले के जीरादेई में हुआ था।**
- **शिक्षा:**
  - उन्होंने **1902 में कलकत्ता प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया।**
  - 1915 में प्रसाद ने **कलकत्ता विश्वविद्यालय के विधि विभाग से विधि में स्नातकोत्तर की परीक्षा दी,** परीक्षा उत्तीर्ण की और स्वर्ण पदक जीता।
  - 1916 में उन्होंने **पटना उच्च न्यायालय से अपना कानूनी करियर शुरू किया। 1937 में** उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कानून में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
- **गांधीजी से संबंधित:**

- जब **गांधीजी बिहार के चंपारण ज़िले में** स्थानीय किसानों की शिकायतों के समाधान के लिये तथ्य-खोज अभियान पर थे, तो उन्होंने **राजेंद्र प्रसाद को स्वयंसेवकों के साथ चंपारण आने के लिये बुलाया।**
    - चंपारण सत्याग्रह ने न केवल उन्हें महात्मा गांधी के करीब ला दिया, बल्कि उनके जीवन की पूरी दिशा ही बदल दी।
    - 1919 के रॉलेट एक्ट और 1919 के जलियाँवाला बाग हत्याकांड ने राजेंद्र प्रसाद को गांधीजी के करीब ला दिया।
- **असहयोग का आह्वान:**
    - डॉ. प्रसाद ने गांधीजी के असहयोग आंदोलन के तहत बिहार में असहयोग का आह्वान किया।
- **नमक सत्याग्रह:**
    - मार्च 1930 में गांधीजी ने नमक सत्याग्रह शुरू किया। डॉ. प्रसाद के मार्गदर्शन में **बिहार के नखास तालाब** में नमक सत्याग्रह शुरू किया गया।
- **डॉ. प्रसाद और भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस:**
- वह **1911 में कलकत्ता में आयोजित** भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के वार्षिक अधिवेशन के दौरान आधिकारिक रूप से **इसमें शामिल हुए।**
- **उन्होंने** अक्तूबर 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के बम्बई अधिवेशन की अध्यक्षता की।
- अप्रैल 1939 में कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष पद से सुभाष चंद्र बोस **के त्याग-पत्र** के बाद **वे दूसरी बार अध्यक्ष चुने गये।**
- 1946 में वे पंडित जवाहरलाल नेहरू **की अंतरिम सरकार में खाद्य एवं कृषि मंत्री के रूप में शामिल हुए और "अधिक खाद्यान्न उगाओ (Grow More Food)"** का नारा दिया।
- **डॉ. प्रसाद और संविधान सभा:**
- जुलाई 1946 में जब भारत का संविधान बनाने के लिये संविधान सभा की स्थापना हुई तो वे इसके अध्यक्ष चुने गए।
- **डॉ. प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा की समितियों में शामिल हैं:**
    - राष्ट्रीय ध्वज पर तदर्थ समिति
    - प्रक्रिया नियमों पर समिति
    - वित्त और कर्मचारी समिति
    - संचालन समिति
- **26 जनवरी, 1950** को **स्वतंत्र भारत का संविधान स्वीकृत हुआ** और वे **भारत के प्रथम राष्ट्रपति** चुने गए।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
    - **1962** में, राष्ट्रपति के रूप में 12 वर्षों के बाद, **डॉ॰ प्रसाद सेवानिवृत्त हुए** और तत्पश्चात उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
    - डॉ. प्रसाद ने अपने जीवन और स्वतंत्रता से पहले के दशकों को कई पुस्तकों में दर्ज किया, जिनमें शामिल हैं:
        - चंपारण में सत्याग्रह
        - भारत विभाजित
        - उनकी आत्मकथा "आत्मकथा"
        - महात्मा गांधी और बिहार, कुछ यादें
        - बापू के कदमों में
- **मृत्यु:**
    - डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने जीवन के अंतिम कुछ महीने पटना के सदाकत आश्रम में संन्यास में व्यतीत किये। 28 फरवरी, 1963 को उनका निधन हो गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajendra-prasad-birth-anniversary